आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 21.10.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

- पूरे देश के साथ द्वीपसमूह में भी आज विश्व आयोडीन अल्पता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा–भारत ने अपनी पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक दवा नेफिथ्रोमाइसिन विकसित कर ली है।
- राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र की ओर से महिलाओं के विरुद्ध अपराध पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- फरारगंज तहसील में 'प्रगतिशील ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन' पर ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

पूरे देश के साथ द्वीपसमूह में भी आज विश्व आयोडीन अल्पता दिवस मनाया जा रहा है। इसे वैश्विक आयोडीन अल्पता विकार निवारण दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह वैश्विक स्तर पर मानसिक विकास, मातृ स्वास्थ्य और बाल जीवन पर जोर देता है। इस अवसर पर द्वीप समूह के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आयोडीन अल्पता विकारों के बारे में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में आयोडीन की आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आयोडीन अल्पता के बारे में जानकारी देना है। द्वीपों में आईडीडी के लिए कई गतिविधियों की योजना बनाई गई है, जिनमें मुख्य रूप से आईईसी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम नमक परीक्षण किट के माध्यम से नमक का स्थान परीक्षण और घरों, दुकानों और आंगनवाड़ी केंद्रों से नियमित रूप से नमक एकत्र करेंगे। स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला, प्रश्नोत्तरी जैसे विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा, आउटरीच शिविरों के माध्यम से सामुदायिक जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। पूरे द्वीपसमूह में आयोडीन की मात्रा के लिए नमक परीक्षण का प्रदर्शन, स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों का प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियाँ भी आयोजित करने की योजना है।

<><><><><><><><>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि दवा और बायोटेक्नॉलोजी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक दवा नेफिथ्रोमाइसिन विकसित कर ली है। उन्होंने कहा कि यह एंटीबायोटिक दवा प्रतिरोधी श्वसन संक्रमणों को समाप्त करने के लिए प्रभावी है। उन्होंने बताया कि यह दवा विशेष रूप से कैंसर रोगियों और अनियंत्रित मधुमेह रोगियों के लिए लाभदायक है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने एक अन्य प्रमुख वैज्ञानिक उपलब्धि–हीमोफीलिया के उपचार में जीन थेरेपी के सफल स्वदेशी नैदानिक परीक्षण की भी जानकारी दी। जैव प्रौद्योगिकी विभाग की सहायता से यह परीक्षण तमिलनाडु के वेल्लोर में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में किया गया। डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि भारत पहले ही दस हजार से अधिक मानव जीनोम अनुक्रमित कर चुका है और आने वाले वर्षों में इस संख्या को बढाकर दस लाख तक करने का लक्ष्य है। डॉक्टर जितेन्द्र सिंह ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि देश को अपने वैज्ञानिक और अनुसंधान विकास को गति देने के लिए एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा। उन्होंने बताया कि एआई आधारित हाइब्रिड मोबाइल क्लीनिक ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवाचार, सहयोग और करुणा का सम्मिलन देश को विकसित राष्ट्र बनाने में सहायक होगा।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी बचत उत्सव की 22 सितंबर से शुरूआत हो चुकी है। इससे समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंच रहा है। द्वीपों में स्टेशनरी और अन्य खाद्य सामग्रियों पर जीएसटी की कटौती से मिल रहे लाभ के बारे में स्थानीय निवासी ने बताया–

<><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय के तहत राज्य महिला सशक्तिकरण केंद्र की ओर से हाल ही में महिलाओं के विरुद्ध अपराध पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य वन स्टॉप सेन्टर, वूमन हेल्पलाइन, गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के ज्ञान, संवेदनशीलता और समन्वय को बढ़ाना था। इस अवसर पर पहले सत्र में अधिवक्ता सुपर्णा बिस्वास ने महिलाओं के विरुद्ध अपराध के विभिन्न रूपों और कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। ओग्राब्राज महिला प्रकोष्ठ की उप निरीक्षक एग्नेस बार्थोलोमा ने कहा कि सशक्तिकरण जागरूकता और कार्रवाई से शुरू होता है, आज प्रशिक्षित प्रत्येक अधिकारी समाज में बदलाव का उत्प्रेरक बन जाता है। कार्यशाला के दौरान लिंग विशेषज्ञ हेमलता ने लिंग

संवेदनशीलता के बारे में जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को समाज के विकास के लिए लैंगिक समानता अपनाने और लैंगिक रूढ़िवादिता को दूर करने के लिए प्रोत्साहित किया।

<><><><><><><>

फरारगंज तहसील में हाल ही मे 'प्रगतिशील ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन' शीर्षक से एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों, सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर क्षेत्र की खंड विकास अधिकारी ललिता तिग्गा ने अपने संबोधन में सतत विकास को गति देने में स्थानीय नेतृत्व की भूमिका पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर क्यारी की विषय विशेषज्ञ डॉ. पूजा कपूर, दीपा बिस्वास और नाबार्ड के उप महाप्रबंधक राकेश पंगत ने भी अपने विचार रखे।

<><><><><><><>

मध्योत्तर अंडमान के पंचवटी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026–27 के लिए पार्श्व प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा नवीं और ग्यारहवीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तेईस अक्तूबर तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यार्थी नवोदय विद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अक्तूबर और परीक्षा की तिथि सात फरवरी है।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग ने ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के सहयोग से हाल ही में पशु सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आवश्यक पशुपालन कौशल से सशक्त बनाना है। इस अवसर पर केंद्र प्रायोजित योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया, जिसका उद्देश्य विशेष पशु देखभाल प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए वित्तीय स्थिरता और सशक्तिकरण प्राप्त करना है।

<><><><><><><>